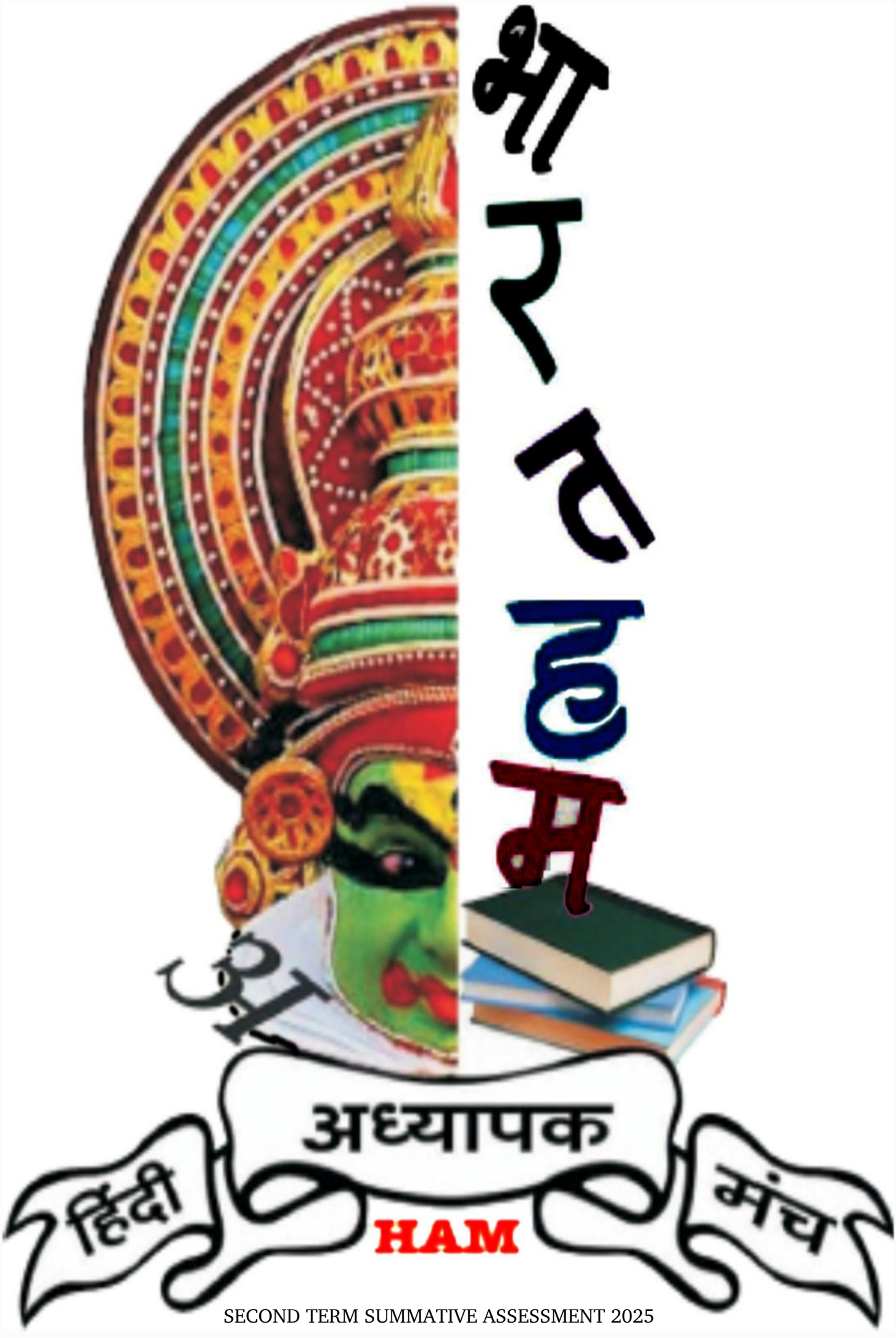

SECOND TERM SUMMATIVE ASSESSMENT 2025

STANDARD X HINDI ANSWER KEY

1) ख) ड्राइवर राज राम दिल्ली में ऑटो चला रहा है।
2) लेखिका चेहर देखती है।
लेखिका ड्राइवर का चेहरा देखती है ।
लेखिका आईने में ड्राइवर का चेहरा देखती है । .
3) **राजराम की चरित्रगत विशेषताएँ**

गगन गिल जी से लिखा हुआ **दिल्ली में उनींदे नामक संस्मरण का मुख्य पात्र है** ऑटो चालक राजा राम ।इस संस्मरण का एक अत्यंत प्रभावशाली और संवेदनशील पात्र भी है राजा राम। लेखक से हुई बातचीत के माध्यम से उसका जीवन, संघर्ष और व्यक्तित्व सामने आता है।

1. परिश्रमी और संघर्षशील
राजा राम वर्षों से ऑटो चलाकर जीवन यापन कर रहा है। कठोर परिस्थितियों, धूल-धुएँ और थकान के बावजूद वह लगातार काम करता है। उसका जीवन निरंतर संघर्ष का प्रतीक है।

2. अत्यंत गरीब लेकिन स्वाभिमानी
उसके पास न ठीक कपड़े हैं, न पक्का घर, न बचत। फिर भी वह दया या भीख नहीं माँगता। मेहनत की कमाई पर जीने वाला स्वाभिमानी व्यक्ति है।

3. संतोषी स्वभाव
वह कहता है कि "दो वक्त की रोटी मिल जाए, यही गनीमत है।" बड़ी इच्छाएँ या सपने नहीं पालता। जो मिलता है, उसी में संतोष करता है।

4. ईमानदार
मीटर ठीक रखना, किराए में बेईमानी न करना—यह उसके ईमानदार स्वभाव को दर्शाता है। उसने कभी गलत तरीके से पैसा नहीं कमाया।

5. सहनशील और धैर्यवान
बीमारी, खाँसी, धुएँ से होने वाली तकलीफ—सब कुछ सहते हुए भी वह

शिकायत नहीं करता। जीवन की कठिनाइयों को धैर्य से झेलता है।

6. सरल और सच्चा वक्ता
वह बिना किसी बनावट के अपनी बात सीधी और सच्ची भाषा में कहता है। उसकी बातचीत में कोई दिखावा नहीं है।

7. मानवीय संवेदना से भरा
लेखक से खुलकर अपने जीवन की कहानी साझा करता है। उसके शब्दों में दर्द के साथ-साथ मानवीय संवेदना भी झलकती है।

8. समाज की कठोर सच्चाई का प्रतीक
राजा राम शहरी गरीब वर्ग का प्रतिनिधि पात्र है, जो उसी शहर में रहते हुए भी अलग "मौसम" में जीता है—भूख, बेबसी और अनिश्चितता के मौसम में।

निष्कर्ष:
राजा राम का चरित्र हमें बताता है कि साधारण-सा दिखने वाला व्यक्ति भी असाधारण जीवन-अनुभव और गहरी मानवीय पीड़ा अपने भीतर समेटे होता है। वह परिश्रम, ईमानदारी, संतोष और सहनशीलता का सजीव उदाहरण है।
अथवा
ऑटो चालक राजा राम का साक्षात्कार – प्रश्नावली

1. आपका नाम क्या है और आप मूल रूप से कहाँ के रहने वाले हैं?

2. आप दिल्ली कब और किन परिस्थितियों में आए?

3. आपने ऑटो चलाने का काम कैसे और कब शुरू किया?

4. क्या इससे पहले आप कोई और काम करते थे?

5. आप रोज़ाना कहाँ सोते हैं और कैसे रहते हैं?

6. ऑटो चलाते समय आपको सबसे अधिक कठिनाई किस बात से होती है?

7. धूल–धुएँ और खाँसी से आपकी सेहत पर क्या असर पड़ा है?

8. आप रोज़ का खाना कहाँ और कैसे खाते हैं?

9. आपके लिए "अच्छा दिन" किसे कहते हैं?

10. क्या आपने कभी सरकार से किसी मदद की उम्मीद की है?

11. आपको अपने जीवन में सबसे बड़ी खुशी किस बात से मिलती है?

12. आने वाले समय के लिए आपकी कोई इच्छा या सपना है?

4 ख) दूसरी
5 .कारों में बैठे अमीर लोग उस गरीब या मेहनतकश पैदल चलने वाले को नीची निगाह से देखते हैं।उन्हें लगता है जैसे यह कोई पिछड़ा हुआ या अजनबी व्यक्ति है।यह दृष्टिकोण समाज में फैली असमानता और वर्गभेद को उजागर करता है।

6 . मैं तुमसे यही सुनना चाहता था और इस भावना को हमेशा बनाए रखना । तभी तुम सच्चे वैज्ञानिक बन पाओगे ।

7 **पिता की डायरी**

दिनांक : ———
स्थान : घर

आज का दिन मेरे लिए सोचने वाला रहा। गैलीलियो से विज्ञान पढ़ने को लेकर लंबी बातचीत हुई। मैं चाहता हूँ कि मेरा बेटा एक डॉक्टर बने, क्योंकि उससे जीवन अच्छी तरह चलता है। पर आज मैंने उसके प्रश्नों में एक अलग चमक देखी।

वह विज्ञान के बारे में ऐसे प्रश्न कर रहा था जैसे कोई बड़ा आदमी बात कर रहा हो। वह बार-बार कह रहा था कि वह हर बात को समझकर सीखना चाहता है। मुझे थोड़ी चिंता भी हुई—विज्ञान कठिन विषय है, इसमें भविष्य अनिश्चित है।

लेकिन आज मुझे एहसास हुआ कि मेरा बेटा साधारण नहीं है। उसकी आँखों में जानने की भूख है। शायद उसका रास्ता अलग है। मैंने उसे रोका नहीं, बस समझाया कि जो भी करे, पूरे मन से करे।

आज मन में दुविधा है, पर साथ ही गर्व भी। ईश्वर करे, वह सही मार्ग चुने और सफल बने

अथवा

गैतीलियो की डायरी

दिनांक : ———
स्थान : मेरा कमरा

आज पिताजी से विज्ञान पढ़ने को लेकर बात हुई। मैं थोड़ा डर भी रहा था कि वे नाराज़ हो जाएँगे। पर मैंने जो महसूस किया, वही कहा—मुझे चीज़ों को समझना अच्छा लगता है, केवल मान लेना नहीं। आखिर अब मैं खुश हूं। पिताजी नाराज होने के बजाय खुश हुए थे । वे मेरी राय से सहमत हो गए।

जब मैं झूलते पेंडुलम, चलती चीज़ों और समय के बारे में सोचता हूँ, तो मन बहुत खुश हो जाता है। मुझे लगता है कि दुनिया को समझने का रास्ता विज्ञान है।

पिताजी की बात भी सही है, जीवन आसान नहीं है। लेकिन मैं वही पढ़ना चाहता हूँ जिसमें मेरा मन लगे। आज मैंने निश्चय किया है कि मैं प्रयोग करूँगा, प्रश्न पूछूँगा और सत्य खोजने की कोशिश करूँगा।

मुझे विश्वास है कि एक दिन मैं कुछ नया खोजूँगा और पिताजी को भी मुझ पर गर्व होगा।
8 क) वह
ख)लड़कियाँ फूल तोड़ती थीं । .
9 केशव निर्माणाधीन तीन मंजिला इमारत से नीचे गिर गया था इसलिए केशव को असपताल ले गया था
10 . पटकथा
व्हाइट कैव
सीन 1
स्थान : ऑटो
समय : 10 बजे
पात्र : केशव , उम्र-8 , वेश कुर्ता औ रपैजामा
केशव के पिता , उम्र 40 वेष - कुर्ता और पतलून
क्रिकेट टीम का कप्तान , अम्र -12 ,कुर्ता औ रपैजामा

तीन चार टीम के लडके
केशव की माँः उम्र 35 , वेश - साड़ी और काँचली

प्रसंग : इमारत से गिरकर गंभीर रूप में घायल हुए केशव को देखने के लिए क्रिकेट टीम के कप्तान और दोस्त आते हैं तब केशव को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। वे ऑटो में जाने की तैयारी में है।

संवाद :
कप्तानः अंकल केशव कैसा है?
दूसरा लड़काः आँटी डॉक्टर क्या बोले?
तीसरा लड़काः जल्दी ठीक हो जाएगा न ?
(केशव ज़रा मुस्कराकर साबुत हाथ को अपर उठाया)
कप्तानः तुम जल्दी ठीक हो जाओगे केशवा ।
(जेब से बिस्कुट लेकर आँटी से)
रास्ते में उसे भूख लगेगी तो जरूर खिलाएगा ।
(केशव से)
अब जब तुम लौटोगे केशव तो हमारी टीम में खेले ।

11 . ग) गर्व
12.यहाँ 'ऐंठ' का अर्थ है घमंड या अभिमान।
कवि ने इसे 'बेचारी' इसलिए कहा है क्योंकि –
जब तिनका आँख में चला गया, तो कवि का सारा ऐंठ (घमंड) खत्म हो गया।
वह बेचारा-सा बन गया, यानी उसका अहंकार दब गया।

13
कवि परिचय:
अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का जन्म 15 अप्रैल 1865 ई. में हुआ। वे खड़ी बोली के प्रमुख कवि थे। उनकी भाषा सहज, सरल और संस्कृतनिष्ठ है। वे कवि, निबंधकार और समीक्षक भी थे।

कविता परिचय व आशय:
"एक तिनका" कविता में कवि ने एक साधारण-सी घटना का वर्णन किया है। आँख में पड़े छोटे-से तिनके से उन्हें यह अनुभव हुआ कि हमें किसी वस्तु या प्राणी को छोटा नहीं समझना चाहिए। हर वस्तु का जीवन में अपना महत्व है। कवि ने इस कविता में एक तिनके के अनुभव से जीवन की गहरी शिक्षा दी है। कहना यह है कि जीवन में छोटे-छोटे व्यक्ति, वस्तुएँ या घटनाएँ भी महत्वपूर्ण होती हैं। हमें किसी को छोटा या तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि वही हमें जीवन का बड़ा सबक सिखा सकती हैं।

इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि तिनका आँख में जाते ही लाल होकर दुखने लगती है। लोग कपड़े से मुँह ढँकने और आँख मलने लगते हैं।
➡ आशय: छोटी-सी कठिनाई इंसान को बेचैन और असहाय बना देती है।

अथवा
विश्लेषणात्मक टिप्पणी

कविता : एक तिनका
कवि : अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कविता "एक तिनका" एक छोटी-सी घटना के माध्यम से जीवन का गहरा सत्य प्रस्तुत करती है। कवि बताता है कि एक दिन हवा से उड़कर एक तिनका उसकी आँख में पड़ जाता है। यह छोटा-सा तिनका कवि को अत्यधिक पीड़ा देता है और उसे बेचैन कर देता है। आँख लाल हो जाती है और वह असहाय-सा अनुभव करता है।

इस साधारण घटना के द्वारा कवि ने मानव अहंकार (ऐंठ) पर करारा व्यंग्य किया है। मनुष्य अक्सर अपने बल, बुद्धि और पद पर घमंड करता है, लेकिन एक तुच्छ समझी जाने वाली वस्तु भी उसे झुका सकती है। जब तिनका आँख से निकल जाता है, तब कवि को जीवन की सच्ची समझ मिलती है कि किसी को

भी छोटा या नगण्य नहीं समझना चाहिए।

कविता में 'तिनका' विनम्रता और 'ऐंठ' अहंकार का प्रतीक है। कवि ने सरल भाषा, सहज शैली और प्रतीकात्मक भावों के माध्यम से यह संदेश दिया है कि अहंकार क्षणिक होता है और अनुभव ही सच्चा गुरु है।

यह कविता हमें विनम्रता, संवेदनशीलता और आत्मचिंतन की शिक्षा देती है। सचमुच, छोटे-से तिनके ने कवि को जीवन का बड़ा सबक सिखा दिया।

14 ग) । और iv सही है।
15 नास= नाश
तन = शरीर

16 **मानवाधिकार दिवस**
17